कमाल के शिक्षक कार्यक्रम

DIET छात्रों की क्षमता वृद्धि व कक्षा 3-5 के बच्चों के अधिगम स्तर में विकास के लिए DIETs व प्रथम की साझेदारी

कार्यक्रम का विवरण

बिहार के असर 2014 के परिणामों से पता लगता है की राज्य के कक्षा 3 के सिर्फ 21.8% बच्चे और कक्षा 5 के सिर्फ 48.1% बच्चे ही दूसरी कक्षा का एक सरल पाठ पढ़ पाते हैं। इसी तरह गणित के आंकड़ों से पता लगता है की कक्षा 3 के सिर्फ 24.1% बच्चे और कक्षा 5 के सिर्फ 53.3% बच्चे ही घटाव का एक सरल सवाल हल कर पाते हैं।

राज्य में शासन द्वारा प्री-सर्वीस और इन-सर्वीस प्रशिक्षण हेतू सभी ज़िलों में ज़िला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET) का निर्माण किया गया है। शिक्षकों की क्षमता वृद्धि व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए DIET एक महत्त्वपूर्ण संस्थान है। यदि शुरूआत से ही DIET में अध्ययनरत छात्रों को इन शैक्षणिक समस्याओं के बारे में अवगत कराया जाए तो इनके समाधान में यह छात्र एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। DIET छात्रों की क्षमता वृद्धि व कुछ चयनीत विद्यालयों में बच्चों के अधिगम स्तरों में सुधार हेतू राज्य के 8 DIETs ने 2015-16 और 8 DIETs ने 2016-17 में प्रथम के साथ मिलकर 'कमाल के शिक्षक' कार्यक्रम को लागू किया। इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य हैं:

1. DIET छात्रों की कमाल पद्धति की सैद्धांतिक व व्यवहारिक अनावरण की समझ बनाना।
2. DIET छात्रों को तीसरी, चौथी व पाँचवी कक्षा के बच्चों की समझ के वर्तमान स्तर को जानने में मदद करना।
3. DIET छात्रों को कमाल में प्रयुक्त सीखने व सिखाने की पद्धतियों से परिचित कराना ताकि वे अपने शाला अनुभव के समय में बच्चों को कमाल विधि से स्तर अनुसार पढ़ा कर उन में पठन व गणित के बुनियादी कौशल को विकसित करने में सक्षम हो सके।
4. बच्चों में पढ़ने-लिखने व समझ विकसित करने के लिए कमाल पद्धति को लागू करने में बच्चों के एक समूह के साथ काम करते हुए वास्तविक कार्यक्षेत्र में उन्हें मदद देना।

कमाल (CAMaL-Combined Activities for Maximized Learning) पद्धती का विवरण

कमाल (CAMaL-Combined Activities for Maximized Learning) बच्चों में पढ़ने और गणित करने की बुनियादी क्षमता उत्पन्न करने की एक नायाब शैक्षणिक पद्धति है, जिसे प्रथम ने विकसित किया है। 'कमाल' पद्धति सुगठित गतिविधियों के जरिये सीखने की क्रिया को सुगम बना देती है, जिसके परिणामस्वरूप बच्चे में पढ़ने, लिखने, सुनने, बोलने और करने जैसी विभिन्न क्षमताओं का विकास हो पाता है। इन गतिविधियों को इस प्रकार किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित हो कि उनकी मदद से बच्चा सरल से जटिल तथा मूर्त से अमूर्त की ओर आगे बढ़ पाए। इस प्रकार चुनौती एवं सहायता के बीच उचित संतुलन कमाल गतिविधियों की विशिष्टता है।

कमाल पद्धति की बुनियादी विशेषता है– बच्चों को नामांकित कक्षा के बजाय पढ़ने के स्तर के आधार पर समूहों में बाँटना। इसके बाद बच्चों के प्रत्येक समूह को पढ़ने के अगले स्तर तक पहुँचने में मदद करने वाली गतिविधियों व सामग्री को इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। इस प्रकार समूह में हर बच्चे को उसकी प्रगति के लिए मदद दी जाती है। इसे 'उचित स्तर पर शिक्षण' की अवधारणा कहा गया है। यह पद्धति इस दृढ़ मान्यता पर रची गई है कि सीखने की प्रक्रिया में बच्चा एक सक्रिय भूमिका निभाता है। इसलिए 'कर के सीखो' का मूल कमाल का दिशा-निर्देशक है। संक्षेप में, कमाल एक संवादमूलक, गतिविधि आधारित पद्धति है। बहुत कम समय में बच्चों में पढ़ने व गणित करने की क्षमता पैदा करने में जिसकी सफलता असंदिग्ध है।

कार्यक्रम की पहुँच

भारत भर में 2015-16 में 76 DIETs और 2016-17 में 45 DIETs एवं 46 निजी टीचर ट्रेनिंग कालेज ने इस साझेदारी के अंर्तगत प्रथम के साथ मिलकर काम किया। वर्ष 2015-16 में, DIET छात्रों ने 989 स्कूलों में लगभग 40,000 बच्चों और 2016-17 में 946 स्कूलों के बच्चों की कमाल द्वारा बुनियादी भाषा और गणित सीखने में मदद की।

Pratham
Every Child in School and Learning Well

कमाल के शिक्षक कार्यक्रम

DIET छात्रों की क्षमता वृद्धि व कक्षा 3-5 के बच्चों के अधिगम स्तर में विकास के लिए DIETs व प्रथम की साझेदारी

DIET छात्रों द्वारा कमाल पद्धति से संचालित शाला अनुभव (लर्निंग कैंप) के परिणाम (2015-16)

टेबल 1: DIET अनुसार कक्षा 3-5 के बच्चों के पढ़ने का स्तर

क्रमांक	DIET का नाम	लर्निंग कैंप विद्यालय की संख्या	प्रारंभिक और अक्षर स्तर के बच्चों की संख्या		अनुच्छेद और कहानी स्तर के बच्चों की संख्या	
			कैंप से पहले	कैंप के बाद	कैंप से पहले	कैंप के बाद
1	DIET भागलपुर	15	291	90	108	281
2	DIET छातौनी मोतिहारी	11	185	33	0	133
3	DIET दिग्घी कला	12	400	218	137	245
4	DIET डुमरा	7	430	191	265	291
5	DIET डुमरॉव	8	283	71	11	143
6	DIET किला घाट	14	525	247	130	279
7	DIET कुमारबाग	9	425	73	430	623
8	DIET सीवान	5	114	34	210	255
कुल		**81**	**2653**	**957**	**1291**	**2250**

पढ़ने की जाँच सामग्री

इस टेबल को कैसे पढ़ें: यह टेबल कमाल लर्निंग कैंप से कक्षा 3-5 के बच्चों के पढ़ने के स्तर में हुए विकास को दर्शाती है। पढ़ने की जाँच साम्रगी में दिए हुए स्तरों के अनुसार टेबल 1 में बच्चों की संख्या कैंप से पहले और बाद की स्थिति में दी गई है।

उदाहरण: DIET छातौनी मोतिहारी के छात्रों द्वारा संचालित लर्निंग कैंप में, सभी विद्यालय मिलाकर, कैंप से पहले 185 बच्चे शब्द भी नहीं पढ़ पाते थे। कैंप के बाद यह संख्या घटकर 33 हो गई अर्थात 152 बच्चे शब्द या उससे अधिक पढ़ना सीख गए। उसी तरह जो बच्चे अनुच्छेद या उससे अधिक पढ़ पाते हैं उनकी संख्या 0 से बढ़कर 133 बच्चे हो गई।

टेबल 2: DIET अनुसार कक्षा 3-5 के बच्चों के गणित का स्तर

क्रमांक	DIET का नाम	लर्निंग कैंप विद्यालय की संख्या	प्रारंभिक और अंक पहचान स्तर के बच्चों की संख्या		घटाव और भाग स्तर के बच्चों की संख्या	
			कैंप से पहले	कैंप के बाद	कैंप से पहले	कैंप के बाद
1	DIET भागलपुर	15	155	21	226	332
2	DIET छातौनी मोतिहारी	11	131	18	70	167
3	DIET दिग्घी कला	12	344	164	181	265
4	DIET डुमरॉव	8	183	50	108	128
5	DIET किला घाट	14	431	190	197	249
6	DIET कुमारबाग	9	390	34	353	639
7	DIET सीवान	5	99	28	149	230
कुल		**74**	**1733**	**505**	**1284**	**2010**

गणित की जाँच सामग्री

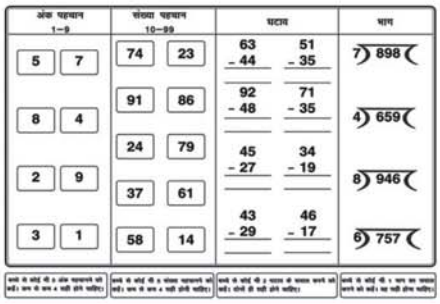

इस टेबल को कैसे पढ़ें: यह टेबल कमाल लर्निंग कैंप से कक्षा 3-5 के बच्चों के पढ़ने के स्तर में हुए विकास को दर्शाती है। पढ़ने की जाँच साम्रगी में दिए हुए स्तरों के अनुसार टेबल 1 में बच्चों की संख्या कैंप से पहले और बाद की स्थिति में दी गई है।

उदाहरण: DIET कुमारबाग के छात्रों द्वारा संचालित लर्निंग कैंप में, सभी विद्यालय मिलाकर, कैंप से पहले 390 बच्चे शब्द भी नहीं पढ़ पाते थे। कैंप के बाद यह संख्या घटकर 34 हो गई अर्थात 356 बच्चे शब्द या उससे अधिक पढ़ना सीख गए। उसी तरह जो बच्चे अनुच्छेद या उससे अधिक पढ़ पाते हैं उनकी संख्या 353 से बढ़कर 639 बच्चे हो गई।

नोट: 2016-17 में DIETs भागलपुर, बक्सर, पूर्वी चमपारन, किशनगंज, नालंदा, पटना, समस्तीपुर और सीवान के छात्रों ने लर्निंग कैंप संचालन किया है। इन लर्निंग कैंप के परिणाम अप्रैल 2017 में उपलब्ध करायें जायेंगे।

Pratham
Every Child in School and Learning Well